कंपनी पेप्सिको इंडिया के बगल में 17 एकड़ में लगाएगी नई यूनिट, 350 करोड़ रुपये का होगा निवेश

कोका कोला गीडा में लगाएगा बॉटलिंग प्लांट

बदलता गोरखपुर

70 करोड़ रुपये के प्लास्टिक पार्क में निवेश करेगी बिसलेरी कंपनी

07 एकड़ जमीन के लिए बिसलेरी ने किया आवेदन 250 को मिलेगा रोजगार

- डिस्टलरी प्लांट में होगा 50 करोड़ का निवेश, पांच एकड़ जमीन मांगी गई
- गीडा की नई योजना में 45 निवेशकों ने किया आवेदन, जल्द होगा आवंटन

औद्योगिक भूखंडों के लिए आवेदन मांगे गए थे। करीब 45 आवेदन आए हैं। इनमें कोका कोला, बिसलेरी, डिस्टलरी कंपनी भी शामिल है। बड़े यूनिटों को उनकी जरूरत के हिसाब से जमीन मुहैया करा रहे हैं। जल्द ही आवंटन पत्र जारी किया जाएगा।

-अनुज मलिक, सीईओ, गीडा

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।

1 गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में औद्योगिक जमीन की उपलब्धता के बाद बड़ी कंपनियां निवेश करने के लिए आ रही हैं। पेप्सिको इंडिया के पास ही कोका कोला का बाटलिंग प्लांट लगेगा। करीब 17 एकड़ में लगने जा रहे प्लांट में कंपनी 350 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। प्रतिष्ठित कंपनी बिसलेरी प्लास्टिक पार्क में 70 करोड़ का निवेश करेगी, तो डिस्टलरी प्लांट में 50 करोड़ का निवेश होगा।

कोला कोला को रोड कनेक्टिविटी के लिहाज से माकूल जमीन की तलाश थी। जो पूरी हो गई है। गीडा कोका कोला को पेप्सिको के ठीक बगल में 17 एकड़ जमीन देने जा रहा है। यहीं से लिंक एक्सप्रेसवे की शुरूआत हो रही है। बाटलिंग प्लांट के माध्यम से कंपनी 500 से अधिक युवाओं को रोजगार मुहैया कराएगी। इसी तरह गीडा में डिस्टलरी प्लांट भी लगने जा रहा है। देश की प्रतिष्ठित डिस्टलरी कंपनी यहां 5 एकड़ एरिया में 50 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। गीडा में आईजीएल द्वारा बड़े पैमाने पर शराब का उत्पादन हो रहा है। वहीं, 1100 करोड़ के निवेश से निर्माणधीन केयान डिस्टलरी का काम भी अंतिम चरण में है।वहीं, मिनरल वाटर के क्षेत्र में देश की प्रतिष्ठित बिसलेरी कंपनी भी प्लास्टिक पार्क में नई यूनिट लगाने की तैयारी में है। बिसलेरी को प्लास्टिक पार्क में 7 एकड़ जमीन का आवंटन किया जा रहा है। करीब 70 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने वाली यूनिट में 250 से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

गीडा दिवस पर वितरित हो सकता है आवंटन पत्र: आगामी 30 नवम्बर को गीडा दिवस है। उम्मीद है कि कोका कोला, बिसलेरी, डिस्टलरी कंपनी समेत करीब 45 उद्यमियों को निवेश के लिए जमीन का आवंटन पत्र दिया जा सकता है। इस दिन मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी की भी संभावना है।

गीडा सीईओ अनुज मलिक का कहना है कि बीते सात सालों में देश-दुनिया के कई निवेशकों का रुझान गोरखपुर की तरफ देखते हुए कहा जा सकता है कि यहां औद्योगिक विकास के साथ ही यहां रोजगार की बहार भी बहेगी। गीडा दिवस के मौके पर उद्यमियों को निवेश के लिए जमीन का आवंटन पत्र दिया जा सकता है।

दक्षिणांचल में बन रहा सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल लैंड बैंक

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।

2 पूर्वांचल का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल लैंड बैंक दक्षिणांचल में धुरियापार क्षेत्र विकसित हो रहा है। 5500 एकड़ में प्रस्तावित धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को मूर्त रूप देने के लिए 17 गांवों में अब तक 500 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। इसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर के रूप में विकसित किया जाना है। जेके ग्रुप और अदाणी ग्रुप की तरफ से सीमेंट फैक्ट्री लगाने का प्रस्ताव आ चुका है।

धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को आकार देने के लिए पहले चरण में सकरदेईया, हरपुर और काश्तकाशी नायक गांवों में करीब 1600 एकड़ भूमि अर्जित होनी है। इस कॉरिडोर को बसाने के लिए जिन 17 गांवों में जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा है, वे परती रहती हैं। धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के मास्टर प्लान के मुताबिक कुल क्षेत्रफल में 32.04 प्रतिशत क्षेत्र औद्योगिक, 19.39 % आवासीय, 6.51 % पीएसपी, 4.21 % व्यावसायिक, 15.70 % हरित क्षेत्र, 2.32 % मिश्रित, 4.17 % ट्रांसपोर्ट सुविधाओं के लिए प्रस्तावित है।

धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर रोड और रेल कनेक्टिविटी के लिहाज से उद्योगों के लिए काफी मुफीद साबित होगा। यह क्षेत्र गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से जुड़ा है। साथ ही सहजनवा से दोहरीघाट तक प्रस्तावित नई रेल लाइन परियोजना भी यहां से गुजर रही है। ऐसे में यहां बड़े उद्योगों के लिए पृथक से रेलवे साइडिंग दिए जाने की भी व्यवस्था होगी।

55 सौ एकड़ क्षेत्रफल में आकार लेगा धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

इन गांवों को किया गया है अधिसूचित

बाथ बुजुर्ग, बाथ खुर्द, भिसमपट्टी, चाडी, धौरहरा, दिघरूआ, दोदापार, दुबरीपुरा, गजपुर, गौरखास, हरपुर, काश्तकाशी नायक, मठदुर्वाशा, नारायण खुर्द, परसा बुजुर्ग, पुरादयाल और सकरदेइया।

धुरियापार इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए निवेश प्रस्ताव आने शुरू हो गए हैं। अदाणी समूह और जेके ग्रुप ने इस कॉरिडोर में सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए क्रमशः 65 और 50 एकड़ जमीन की मांग की है। इसके अलावा कई अन्य औद्योगिक समूह यहां निवेश में रुचि दिखा रहे हैं।

-अनुज मलिक, सीईओ, गीडा